बीकानेर प्रदेश के 41 जिलों में 25.87 लाख विद्यार्थी देंगे एसेसमेंट

सरकारी स्कूलों में 14 मार्च से एआइ आधारित दक्षता आकलन

सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता परखने के लिए एआइ आधारित समेटिव एसेसमेंट (दक्षता आधारित आकलन) की समय सारिणी जारी कर दी गई है। प्रदेश के सभी 41 जिलों में यह आकलन 14 मार्च से शुरू होगा। इस प्रक्रिया में करीब 25 लाख 87 हजार से अधिक विद्यार्थी शामिल होंगे। दक्षता परीक्षण में कक्षा 3, 4, 6 और 7 में अध्ययनरत विद्यार्थियों का आकलन किया जाएगा। शिक्षा विभाग के अनुसार इस द्वितीय समेटिव आकलन के लिए आवश्यक सामग्री और प्रश्न पत्र 13 मार्च तक सभी स्कूलों में पहुंचा दिए जाएंगे, ताकि परीक्षा सुचारु रूप से आयोजित की जा सके। प्रश्न पत्र हल करने के लिए विद्यार्थियों को एक घंटे का समय दिया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न पत्र में कुल 20 प्रश्न होंगे, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों की विषयगत समझ और दक्षता का मूल्यांकन किया जाएगा। विशेष बात यह है कि कक्षा 3, 4, 6 और 7 के गणित विषय का प्रश्न पत्र द्विभाषी होगा, ताकि हिंदी के साथ-साथ अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों को भी आसानी हो सके। शिक्षा विभाग का मानना है कि एआइ आधारित यह आकलन विद्यार्थियों की वास्तविक सीखने की स्थिति समझने और शिक्षण पद्धति में सुधार के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।

संस्कृत स्कूलों के बच्चों का भी होगा दक्षता आधारित आकलन

सीकर. प्रदेश की संस्कृत स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का भी अब दक्षता आधारित आकलन होगा। 14 से 17 मार्च तक होने वाले द्वितीय आकलन में इन स्कूलों को शामिल किया जा रहा है। शिक्षा विभाग के अनुसार प्रदेश में आकलन 18 हजार 2 संस्कृत स्कूलों में भी होगा। यहां करीब 50 हजार 758 विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता व विषयों की समझ का आकलन किया जाएगा। बच्चों के परिणाम को शाला दर्पण शिक्षक एप के जरिए ऑनलाइन अपलोड करने के साथ शिक्षक पीटीएम में अभिभावकों के सामने रखते हैं। प्रदेश में दक्षता आधारित आकलन मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान के तहत शुरू हुआ था। अब तक ये सामान्य शिक्षा की स्कूलों में ही लागू था, जिसमें कक्षा 3,4,6 व 7 के विद्यार्थियों को हिंदी, अंग्रेजी व गणित विषय में दक्ष किया जा रहा था। पहली बार ये संस्कृत स्कूलों में भी लागू किया जा रहा है।